my city
देहरादून | बृहस्पतिवार • 15.05.2025
अमर उजाला 02
amarujala.com/dehradun

युवा शक्ति पर राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की है जिम्मेदारी : राज्यपाल

यूटीयू में एआई रिसर्च हब और आईओटी व रोबोटिक्स लैब का किया उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) परिसर में बुधवार को उत्कर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विवि में एआई रिर्सच हब और आईओटी एवं रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल व विवि के कुलाधिपति ले.ज. गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।

कार्यक्रम में राज्य के 25 विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी पर चैटबॉट, डैशबोर्ड व मोबाइल ऐप आदि प्रोजेक्ट्स तैयार किए।

वहीं, राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति के दृष्टिकोण को ध्यान में रख अलग-अलग क्षेत्रों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा, आज की युवा शक्ति ही विकसित भारत 2047 का भविष्य। जबकि राज्य के युवा शक्ति पर उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने की जिम्मेदारी है। वहीं, इस मौके पर उन्होंने ओपन सोर्स व ओपन एआई से देश की सहायता के लिए डीप शिवा नाम से एक चैटबॉट बनाने की चुनौती तकनीकी विश्वविद्यालय को दी।

इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार पर तीन लाख और तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले को दो लाख रुपये की धनराशि से सम्मानित किया जाएगा। यह लक्ष्य हैकाथॉन कार्यक्रम के तहत 31 दिसंबर तक पूरा करना होगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, एआई भविष्य में ग्लोबल इकोनॉमी का आधार बनेगा।

कहा, वर्तमान में एआई ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, रजत जैन, प्रो. पीबी शर्मा आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल ले. ज. गुरमीत सिंह (सेनि) ने एआई एवं रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन किया। सूचना विभाग

हैकाथॉन में 216 टीमों ने किया प्रतिभाग

विवि की ओर से आयोजित हैकाथॉन में राज्य के 25 विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की 216 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रथम चरण के मूल्यांकन के बाद 71 टीमों को अंतिम चरण में प्रवेश मिला। चैटबॉट कैटेगरी में जेबीआई कॉलेज देहरादून की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। जीबीपीआईईटी पौड़ी की टीम दूसरे और शिवालिक इंजीनियरिंग कालेज की टीम तीसरे स्थान पर रही। जबकि डैशबोर्ड विकसित किए जाने की श्रेणी में विवि के आईटी गोपेश्वर की टीम पहले, तुलाज इंस्टीट्यूट की टीम दूसरे स्थान पर रही। इसके अलावा मोबाइल ऐप विकसित करने की श्रेणी में विवि की फैकल्टी ऑफ टैक्नोलॉजी को पहला, रूड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को दूसरा और बीआईएएस भीमताल को तीसरा स्थान मिला। राज्यपाल ने विजेता टीम को 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले टीम को 30 हजार और तृतीय स्थान पर रहने टीम को 20 हजार रुपये देने की घोषणा की।

प्रिंसी के प्रोजेक्ट को सराहना : महिला प्रौद्योगिकी संस्थान की बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिंसी रस्तोगी के प्रोजेक्ट ने ले.ज. गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) का दिल जीत लिया। इस पर उन्होंने प्रिंसी को 10001 रुपये से सम्मानित भी किया।